हिन्दुस्तान

राष्ट्रीय महिला आयोग का अध्यक्ष विजया राहटकर और एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. मीनू ने किया वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन

एम्सः एक छत के नीचे मिलेगा इलाज-कानूनी सलाह

सुविधा

ऋषिकेश, संवाददाता। यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे आपातकालीन चिकित्सा और कानूनी सलाह उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मंगलवार को एम्स ऋषिकेश में वन स्टॉप सेंटर की शुरुआत की गई। अस्पताल भवन की तीसरी मंजिल में स्थित इस केन्द्र पर यौन पीड़ित महिलाओं को सभी प्रकार चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

मंगलवार को वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने राज्य महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल और संस्थान की कार्यकारी निदेशक डॉ. मीनू सिंह की उपस्थिति में किया गया। एम्स में यह सेंटर अस्पताल भवन स्थित प्रसूति एवं स्त्री रोग वार्ड के सामने स्थापित किया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष विजया ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा समेत तमाम अपराधों से निपटने के लिए वन स्टॉप सेंटरों की स्थापना पर जोर दे रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सेंटर यौन हिंसा पीड़ित महिलाओं व किशोरियों के लिए तत्काल इलाज और कानूनी मामलों की दृष्टि से मददगार साबित होगा। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने इसे पूरी गोपनीयता बनाए रखते हुए सुरक्षित, निजी और सम्मानजनक माहौल में मेडिको-लीगल जांच व इमरजेंसी मेडिकल देखभाल का केंद्र बताया।

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर एक मल्टी-डिसिप्लिनरी (कई विभागों के सहयोग वाला) तरीका अपनाता है। इससे पीड़ितों को जांच के लिए एक विभाग से दूसरे विभाग में नहीं जाना पड़ेगा। बताया कि यह इंटीग्रेटेड मॉडल समय पर मेडिकल देखभाल, मेडिको-लीगल डॉक्यूमेंटेशन और मनोवैज्ञानिक सहायता देने में मदद करेगा। मौके पर चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी सत्या श्री, डॉ. लतिका चावला, डॉ. राजलक्ष्मी मुंदरा, डॉ. कविता खोईवाल, डॉ. ओम कुमारी, डॉ. पूनम गिल, डॉ. दिलीप वैष्णव, डॉ. आशीष भूते, डॉ. रवि प्रकाश, डॉ. श्रीलोय मोहंती, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह तड़ियाल आदि मौजूद रहे।

एम्स में मंगलवार को वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन करतीं राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष विजया राहटकर। हिन्दुस्तान

आईडीपीएल रोड पर सम्मान सेतु कैंप अभियान शुरू

- कैंप में महिला कांवड़ियों को उनके अधिकारों की जानकारी देंगे
- वार्ड में भर्ती महिलाओं से संवाद कर संस्थान की सेवाओं की जानकारी ली

ऋषिकेश। कांवड़ यात्रा में नीलकंठ पहुंचने वाली महिला श्रद्धालुओं को उनके हक व अधिकारों की जानकारी देने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग ने आईडीपीएल रोड पर 'सम्मान सेतु अभियान' के तहत एक कैंप शुरू किया है, जिसमें [illegible] महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी जाएगी, चिकित्सक और अधिवक्ता उनके सवालों के जवाब भी देंगे। इससे महिलाएं जागरूक होने के साथ ही अपने अधिकारों के प्रति सतर्क भी होंगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने मंगलवार को कैंप का शुभारंभ किया है। उन्होंने कहा कि इससे देश की नीतियों और कानून के प्रति महिला कांवड़ियों को जागरूक किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से ही परिवार सशक्त होगा। मौके पर राज्य महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, मेयर शंभू पासवान, [illegible] आदि मौजूद रहे।

वार्ड में महिलाओं से मिलीं आयोग अध्यक्ष: एम्स में राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष विजया राहटकर ने संस्थान के प्रसूति एवं स्त्री रोग वार्ड में भर्ती महिलाओं से भी संवाद किया। उन्होंने वार्ड में भर्ती महिलाओं से संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। महिलाओं ने उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे उपचार और सुविधाओं को लेकर अपना [illegible]। राष्ट्रीय महिला आयोग को खुद के बीच पाकर वार्ड में भर्ती महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान भी दिखी। आयोग अध्यक्ष ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

नवोदय टाइम्स

यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे आपातकालीन चिकित्सा और कानूनी सलाह उपलब्ध होगी

श्यामपुर,4 अगस्त (नवोदय टाइम्स): यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे आपातकालीन चिकित्सा और कानूनी सलाह उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मंगलवार को एम्स ऋषिकेश में वन स्टाप सेन्टर की शुरूआत की गयी।

अस्पताल भवन की तीसरी मंजिल में स्थित इस केन्द्र पर यौन पीड़ित महिलाओं को सभी प्रकार चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करवायी जाएगी। वन स्टाप सेन्टर का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर द्वारा उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल और संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह की उपस्थिति में किया गया। एम्स में यह सेन्टर अस्पताल भवन स्थित प्रसूति एवं स्त्री रोग वार्ड के सम्मुख स्थापित किया गया है। इस अवसर पर राहटकर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा समेत तमाम अपराधों से निपटने के लिए वन स्टाप सेन्टरों की स्थापना पर जोर दे रहा है।संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने इसे पूरी गोपनीयता बनाए रखते हुए सुरक्षित, निजी और सम्मानजनक माहौल में मेडिको-लीगल जांच और इमरजेंसी मेडिकल देखभाल का केन्द्र बताया। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर एक मल्टी-डिसिप्लिनरी (कई विभागों के सहयोग वाला) तरीका अपनाता है। इससे पीड़ितों को जांच के लिए एक विभाग से दूसरे विभाग में नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि यह इंटीग्रेटेड मॉडल समय पर मेडिकल देखभाल, मेडिको-लीगल डॉक्यूमेंटेशन और मनोवैज्ञानिक सहायता देने में मदद करेगा। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डॉ. लतिका चावला, डा. राजलक्ष्मी मुंदरा, डा. कविता खोईवाल, डा. ओम कुमारी, डा. पूनम गिल, फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के डॉ. दिलीप वैष्णव, डा. आशीष भूते, डा. रवि प्रकाश, संस्थान के पीआरओ डा. श्रीलोय मोहंती और भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तड़ियाल सहित कई अन्य मौजूद रहे।

एम्स ऋषिकेश में वन स्टाप सेन्टर की शुरूआत

पंजाब केसरी

एम्स ऋषिकेश में शुरू हुआ वन स्टॉप सेंटर

ऋषिकेश, (पंजाब केसरी): यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं और किशोरियों को एक ही स्थान पर आपातकालीन चिकित्सा, मेडिको-लीगल जांच और कानूनी परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को एम्स ऋषिकेश में वन स्टॉप सेंटर का शुभारंभ किया गया। अस्पताल भवन की तीसरी मंजिल पर स्थापित इस केंद्र में पीड़िताओं को सुरक्षित, गोपनीय और सम्मानजनक वातावरण में सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर ने उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल और एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर विजया किशोर राहटकर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय देशभर में महिलाओं के

खिलाफ यौन हिंसा और अन्य अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए ऐसे केंद्रों की स्थापना को बढ़ावा दे रहा है। एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि केंद्र में पीड़िताओं की गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा जाएगा और उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक माहौल में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं तथा मेडिको-लीगल जांच की सुविधा मिलेगी। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर मल्टी-डिसिप्लिनरी मॉडल पर कार्य करेगा, जिससे पीड़ितों को विभिन्न विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्याश्री, डॉ. लतिका चावला, डॉ. राजलक्ष्मी सुंदरा, डॉ. कविता खोईवाल, डॉ. ओम कुमारी, डॉ. पूनम गिल, फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के डॉ. दिलीप वैष्णव, डॉ. आशीष भूते, डॉ. रवि प्रकाश सहित अन्य चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अमर उजाला

एम्स में खुला वन स्टॉप सेंटर, इलाज जांच, कानूनी सहायता सब एक जगह

ऋषिकेश। यौन हिंसा की शिकार महिलाओं और किशोरियों को अब इलाज, मेडिको-लीगल जांच, मनोवैज्ञानिक परामर्श और कानूनी सहायता के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

एम्स में शुरू किए गए वन स्टॉप सेंटर में यह सभी सेवाएं एक ही छत के नीचे, गोपनीय और सम्मानजनक वातावरण में उपलब्ध कराई जाएंगी। मंगलवार को वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर, उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल और एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर विजया किशोर राहटकर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा सहित अन्य अपराधों से

यौन हिंसा की शिकार महिलाओं और किशोरियों को नहीं लगाने पड़ेंगे विभागों के चक्कर

निपटने के लिए देशभर में वन स्टॉप सेंटरों की स्थापना को बढ़ावा दे रहा है। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि एम्स ऋषिकेश में शुरू हुआ यह केंद्र पीड़ित महिलाओं और किशोरियों को तत्काल चिकित्सा सुविधा और कानूनी सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि केंद्र में पीड़िताओं की गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्हें सुरक्षित, निजी और सम्मानजनक वातावरण में इमरजेंसी मेडिकल केयर और मेडिको-लीगल जांच की सुविधा दी जाएगी। संवाद

प्रधान टाइम्स

एम्स ऋषिकेश में वन स्टॉप सेन्टर की शुरूआत

राजेश शर्मा

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स में यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे आपातकालीन चिकित्सा और कानूनी सलाह उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मंगलवार को एम्स ऋषिकेश में वन स्टॉप सेन्टर की शुरूआत की गयी। अस्पताल भवन की तीसरी मंजिल में स्थित इस केन्द्र पर यौन पीड़ित महिलाओं को सभी प्रकार चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करवायी जायेगी वन स्टॉप सेन्टर का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमति विजया किशोर राहटकर, उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमति कुसुम कंडवाल एम्स संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह की उपस्थिति में किया गया।

एम्स में यह सेन्टर अस्पताल भवन स्थित प्रसूति एवं स्त्री रोग वार्ड के सम्मुख स्थापित किया गया है श्रीमति राहटकर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा समेत तमाम अपराधों से निपटने के लिए वन स्टॉप सेन्टरों की स्थापना पर जोर दे रहा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि यह सेन्टर यौन हिंसा पीड़ित महिलाओं व किशोरियों के लिए तत्काल इलाज और कानूनी मामलों की दृष्टि से मददगार साबित होगा एम्स संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने इसे पूरी गोपनीयता बनाए रखते हुए सुरक्षित, निजी और सम्मानजनक माहौल में मेडिको-लीगल जांच और इमरजेंसी मेडिकल देखभाल का केन्द्र बताया। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर एक मल्टी-डिसिप्लिनरी कई विभागों के सहयोग वाला तरीका अपनाता है। इससे पीड़ितों को जांच के लिए एक विभाग से दूसरे विभाग में नहीं जाना पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि यह इंटीग्रेटेड मॉडल समय पर मेडिकल देखभाल, मेडिको-लीगल डॉक्यूमेंटेशन और मनोवैज्ञानिक सहायता देने में मदद करेगा इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक प्रो. वी. सत्या श्री, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डॉ. लतिका चावला, डॉ. राजलक्ष्मी सुंदरा, डॉ. कविता खोईवाल, डॉ. ओम कुमारी, डॉ. पूनम गिल, फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के डॉ. दिलीप वैष्णव, डॉ. आशीष भूते, डॉ. रवि प्रकाश, संस्थान के पीआरओ डॉ. श्रीलोय मोहंती, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तड़ियाल आदि मौजूद रहे।

दैनिक जनवाणी

यौन पीड़ित महिलाओं के लिए एम्स में खुला वन स्टॉप सेन्टर

ऋषिकेश। यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे आपातकालीन चिकित्सा और कानूनी सलाह उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मंगलवार को एम्स ऋषिकेश में वन स्टॉप सेन्टर की शुरूआत की गयी। अस्पताल भवन की तीसरी मंजिल में स्थित इस केन्द्र पर यौन पीड़ित महिलाओं को सभी प्रकार चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करवायी जायेगी। वन स्टॉप सेन्टर का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर द्वारा उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल और संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह की उपस्थिति में किया गया। एम्स में यह सेन्टर अस्पताल भवन स्थित प्रसूति एवं स्त्री रोग वार्ड के सम्मुख स्थापित किया गया है। इस अवसर पर आयोग की अध्यक्ष राहटकर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा समेत तमाम अपराधों से निपटने के लिए वन स्टॉप सेन्टरों की स्थापना पर जोर दे रहा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि यह सेन्टर यौन हिंसा पीड़ित महिलाओं व किशोरियों के लिए तत्काल इलाज और कानूनी मामलों की दृष्टि से मददगार साबित होगा। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने इसे पूरी गोपनीयता बनाए रखते हुए सुरक्षित, निजी और सम्मानजनक माहौल में मेडिको-लीगल जांच और इमरजेंसी मेडिकल देखभाल का केन्द्र बताया। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर एक मल्टी-डिसिप्लिनरी (कई विभागों के सहयोग वाला) तरीका अपनाता है।